व्यवसायिक प्रबंधन में स्नातक
(बी. बी. ए.)

सत्रीय कार्य
2026–27

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जुलाई 2026 से 30th जून 2027

तृतीय सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –1100 68

व्यवसायिक प्रबंधन में स्नातक
(बी. बी. ए.)

सत्रीय कार्य
2026–27

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, आपको प्रत्येक अवधि में एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य करना होगा ।

हम एक साथ **BCOE-141, BCOG-171, BRL-106 and और BCOS – 184** सत्रीय कार्य भेज रहे हैं ।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो दिसम्बर 2026 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2026 तक जमा करवायें।
2. वे छात्र जो जून 2027 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2027 तक जमा करवाना होगा।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. जी. -171**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी.सी.ओ.जी.-171/टी. एम. ए./2026- 27**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का हैं)

1. एकाधिकारी प्रतियोगिता की संकल्पना को भली भांति स्पष्ट करें। बाजार में फर्मों के निर्बाध प्रवेश संबंधी कठिनाइयां किन कारणों से पैदा होती है? **(10)**

2. अनुमापी प्रतिफल से आपका क्या अभिप्राय है? बड़े पैमाने की किफायतें तथा अलाभ की व्याख्या करें। **(10)**

3. मांग अनुसूची और मांग वक्र की सहायता से मांग के नियम की व्याख्या करें। **(10)**

4. सीमांत लागत की अवधारणा को परिभाषित कीजिए। औसत लागत तथा सीमांत लागत के बीच क्या संबंध है? उपयुक्त आरेखों का प्रयोग कीजिए। **(10)**

5. समसीमांत उपयोगिता का नियम बताइए। इसकी सीमाओं की चर्चा कीजिए। **(10)**

खण्ड – ख (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का हैं)

6. किसी अर्थव्यवस्था की मूल/मुख्य केंद्रीय समस्याओं को स्पष्ट कीजिए। (6)

7. पूर्ति की लोच क्या है? पूर्ति की लोच को निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण कारकों पर चर्चा करें। (6)

8. अधिमान वक्र को परिभाषित करें। अधिमान वक्र की मान्यताएं की व्याख्या करें। (6)

9. पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाज़ार को परिभाषित करें। पूर्ण प्रतिस्पर्धा की विशेषताओं को समझाएँ। (6)

10. मजदूरी बढ़ाने की तीन विधियों पर चर्चा करें। (6)

खण्ड – ग (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का हैं)

11. उत्पादन के साधनों से आप क्या समझते हैं? उनके चार मुख्य तत्वों को संक्षेप में समझाएं। **(5)**

12. व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र के बीच अंतर बताइए। **(5)**

13. मांग की कीमत लोच से क्या अभिप्राय है? मांग की कीमत लोच के निर्धारकों को संक्षेप में समझाएं। **(5)**

14. उत्पादन का सिद्धांत क्या है? विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन के सिद्धांत की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। **(5)**